बुधवार
04 नवम्बर 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 283
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

केदारताल ट्रेक: तीन लापता ट्रेकर्स के शव बरामद



हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। केदारताल ट्रेक पर लापता हुए ट्रेकर्स एवं सपोर्टिंग स्टाफ की तलाश में एसडीआरएफ, उत्तराखंड पुलिस द्वारा संचालित सर्च एवं रेस्क्यू अभियान आज भी लगातार जारी है। जिसमें अब तक एक महिला सहित तीन ट्रेकर्स के शव बरामद किये जा चुके है। जिन्हे मातली हेलीपेड पहुंचा दिया गया है। जबकि शेष लापता लोगों की तलाश जारी है।

उल्लेखनीय है कि दिनांक 27 अक्टूबर को गंगोत्री से 7 ट्रेकर्स एवं 6 सपोर्टिंग स्टाफ सहित कुल 13 सदस्यीय दल केदारताल ट्रेक के लिए रवाना हुआ था। खराब मौसम, भारी बर्फबारी एवं ग्लेशियर के कारण मार्ग अवरुद्ध होने से दल निर्धारित समय पर वापस नहीं लौट सका था। सूचना प्राप्त होने पर प्रशासन के समन्वय से एसडीआरएफ, नेहरू पर्वतारोहण संस्थान, वन विभाग एवं ट्रेकिंग एजेंसी की टीमें लगातार सर्च एवं रेस्क्यू अभियान में जुटी हुई हैं।

सेनानायक एसडीआरएफ अर्पण यदुवंशी के निर्देशन में एसडीआरएफ की टीमें अत्यंत दुर्गम एवं चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों में अन्य रेस्क्यू एजेंसियो से समन्वय स्थापित कर सर्चिंग अभियान संचालित कर रही हैं। सर्चिंग अभियान के दौरान प्राप्त 3 शवों (2 पुरुष एवं 1 महिला) को हेलीकॉप्टर के माध्यम से मातली हेलीपैड, उत्तरकाशी पहुंचाया गया है। शेष लापता व्यक्तियों की तलाश के लिए केदारताल क्षेत्र में खोजी दस्ते संयुक्त रूप से सर्च एवं रेस्क्यू अभियान संचालित कर रही हैं। प्रतिकूल मौसम, भारी बर्फबारी एवं अत्यंत कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद सभी रेस्क्यू टीमें आपसी समन्वय एवं पूरी तत्परता के साथ अभियान में जुटी हुई हैं। शेष लापता व्यक्तियों की तलाश हेतु सर्चिंग अभियान लगातार जारी है।

अधिकारियों के अनुसार वन विभाग की अनुमति लेकर 27 अक्टूबर को टसोल सीकर ट्रेकिंग एजेंसी के माध्यम से सात ट्रैकर और छह सहायक कर्मियों सहित 13 लोगों का दल गंगोत्री से केदारताल ट्रैक के लिए रवाना हुआ। इनमें से एक कुक बीच में ही वापस आ गया था जबकि शेष टीम को 29 अक्टूबर को वापस लौटना थाए लेकिन खराब मौसमए बर्फबारी और मार्ग में हिमस्खलन के कारण उनकी वापसी संभव नहीं हो सकी। बताया कि 30 अक्टूबर को ट्रैकिंग एजेंसी के माध्यम से फोन पर संपर्क होने पर ट्रेकरों ने कच्ची ढांग के पास फंसे होने की जानकारी देते हुए वहां से निकलने में मदद मांगी। जिस पर ट्रैकिंग एजेंसी ने 30 अक्टूबर को ही पोर्टर और गाइड की टीम भेजकर करीब छह किलोमीटर तक रास्ता खोलने का काम किया । सूचना मिलने के बाद जिला प्रशासन ने 31 अक्टूबर की सुबह बचाव अभियान शुरू किया और वन विभाग एसडीआरएफ आदि अन्य एजेंसियों की टीम को मौके लिए रवाना किया। कच्ची ढांग के आसपास तीन पोर्टर और एक कुक समेत चार लोग सुरक्षित मिल गए। थे। बहरहाल लापता लोगों की तलाश जारी है।

16 दिन बाद मिला लापता अधिवक्ता का शव!



हमारे संवाददाता

बागेश्वर। 16 दिन से लापता वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व नगर पालिका सभासद धीरेंद्र सिंह परिहार का शव मिलने से पूरे शहर में शोक की लहर दौड़ गई है। बीती शाम थुणाई के समीप गोमती नदी किनारे शव बरामद होने की सूचना से परिजनों, अधिवक्ताओं और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। रहस्यमयी परिस्थितियों में लापता हुए धीरेंद्र की मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, 35 वर्षीय धीरेंद्र सिंह परिहार बीते 17 अक्टूबर से लापता थे। उनके अचानक गायब होने के बाद परिजन लगातार उनकी तलाश में जुटे रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल पाया। बेटे का पता नहीं चलने पर उनकी मां नंदी परिहार ने कोतवाली में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराते हुए पुलिस से जल्द तलाश करने की गुहार लगाई थी। धीरेंद्र परिहार की तलाश में पुलिस ने शहर के विभिन्न इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और कई स्तरों पर जांच की। इसी दौरान नुमाइशखेत क्षेत्र में कुछ सीसीटीवी कैमरों के तार काटने और कैमरों को नुकसान पहुंचाने की घटना भी सामने आई थी। इससे उनकी गुमशुदगी को लेकर संदेह और गहरा गया था।

धीरेंद्र परिहार का पता नहीं चलने से नाराज परिजनों, अधिवक्ताओं, व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने सोमवार को एसबीआई तिराहे पर चक्काजाम कर प्रदर्शन किया था। आंदोलन में विधायक पार्वती दास भी शामिल हुई थीं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस से जल्द तलाश अभियान तेज करने और मामले का खुलासा करने की मांग की थी।

बीते रोज थुणाई के समीप नदी किनारे शव मिलने की सूचना पर पुलिस, फायर ब्रिगेड और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने और पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू की।

धीरेंद्र परिहार की मौत किन परिस्थितियों में हुई और वह नदी किनारे कैसे पहुंचे, इन सवालों का जवाब फिलहाल नहीं मिल पाया है। पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

दून वैली मेल

संपादकीय

ट्रंप के गढ़ में भारतवंशी

अमेरिका की राजनीति में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रभाव किसी से छिपा नहीं है। उनकी राजनीतिक शैली, आक्रामक राष्ट्रवाद और अमेरिका फर्स्ट का नारा अमेरिकी राजनीति को लगातार प्रभावित करता रहा है। ऐसे राजनीतिक माहौल में फ्लोरिडा के 22वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से भारतीय मूल की डेमोक्रेटिक उम्मीदवार पिया डांडिया की जीत कई मायनों में महत्वपूर्ण है। खास बात यह है कि उनका मुकाबला ट्रंप समर्थक रिपब्लिकन उम्मीदवार केसी अस्कर से था। इस जीत ने अमेरिकी राजनीति में भारतवंशियों की बढ़ती मौजूदगी के साथ ही डेमोक्रेटिक पार्टी की चुनावी संभावनाओं को भी नई चर्चा के केंद्र में ला दिया है। पिया डांडिया की जीत को केवल भारतीय मूल के किसी उम्मीदवार की सफलता के रूप में देखना इस चुनावी घटनाक्रम का सीमित आकलन होगा। यह उस अमेरिकी समाज की राजनीतिक तस्वीर भी सामने लाती है, जहां मतदाता उम्मीदवार की जातीय और पारिवारिक पृष्ठभूमि से आगे बढ़कर उसके मुद्दों, कार्यक्षमता और राजनीतिक दृष्टिकोण को भी महत्व दे रहे हैं। पिया का जन्म और पालन-पोषण फ्लोरिडा के पाम बीच काउंटी में हुआ। उनके माता-पिता भारत से अमेरिका पहुंचे थे। वह पेशे से शिक्षिका और स्कूल की प्रधानाचार्य रह चुकी हैं। व्हाइट हाउस फेलो के रूप में भी उन्होंने काम किया है। शिक्षा, आर्थिक अवसर और आम नागरिकों की सामर्थ्य उनके चुनाव अभियान के प्रमुख मुद्दे रहे। इस चुनाव की राजनीतिक अहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है कि फ्लोरिडा को रिपब्लिकन राजनीति का मजबूत आधार माना जाता है। राष्ट्रपति ट्रंप का इस राज्य की राजनीति पर प्रभाव रहा है। ऐसे में यहां डेमोक्रेटिक उम्मीदवार का जीतना रिपब्लिकन खेमे के लिए एक राजनीतिक संदेश है। हालांकि, किसी एक सीट के परिणाम को पूरे फ्लोरिडा या अमेरिकी जनमत का फैसला मान लेना जल्दबाजी होगी, लेकिन इसे नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। पिया की जीत के पीछे स्थानीय मुद्दों की भूमिका को समझना जरूरी है। अमेरिकी मतदाता महंगाई, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और अप्रवासन जैसे सवालों से जूझ रहे हैं। चुनाव में बड़े राजनीतिक नारों की अपनी जगह है, लेकिन मतदाता अंततः यह देखना चाहता है कि उसकी रोजमर्रा की जिंदगी में क्या बदलाव आएगा। यही वजह है कि ट्रंप समर्थक उम्मीदवार के सामने पिया अपनी राजनीतिक जमीन तैयार करने में सफल रहीं। यह जीत बताती है कि अमेरिकी मतदाता एक ही राजनीतिक धारा के साथ हमेशा खड़ा रहे, ऐसा जरूरी नहीं है। इस घटनाक्रम का एक दूसरा महत्वपूर्ण पहलू भारतीय मूल के लोगों की बढ़ती राजनीतिक भागीदारी है। अमेरिका में भारतीय समुदाय लंबे समय से शिक्षा, तकनीक, चिकित्सा, कारोबार और प्रशासन के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाता रहा है। अब यह समुदाय राजनीतिक प्रतिनिधित्व के स्तर पर भी अपनी उपस्थिति मजबूत कर रहा है। पिया डांडिया की सफलता इसी बदलाव की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में पहुंचने वाली फ्लोरिडा की पहली भारतवंशी महिला के रूप में उनकी उपलब्धि का प्रतीकात्मक महत्व भी है। लेकिन भारतवंशी उम्मीदवारों की जीत को भारत की कूटनीतिक जीत मान लेना भी उचित नहीं होगा। अमेरिकी राजनीति में निर्वाचित प्रतिनिधियों की पहली जवाबदेही वहां के मतदाताओं और संविधान के प्रति होती है। भारतीय मूल का होना अपने आप में भारत समर्थक नीतियों की गारंटी नहीं है। भारत के लिए महत्वपूर्ण यह होगा कि अमेरिकी राजनीति में भारतीय मूल के प्रतिनिधियों की बढ़ती भागीदारी दोनों देशों के संबंधों, व्यापार, तकनीक, शिक्षा और रणनीतिक सहयोग को किस तरह प्रभावित करती है। इन चुनावों का व्यापक राजनीतिक संदर्भ भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। मध्यावधि चुनाव राष्ट्रपति के कार्यकाल के बीच जनता के मूड को परखने का अवसर होते हैं। इनका परिणाम राष्ट्रपति की नीतियों और संसद में उनकी पार्टी की ताकत पर असर डालता है। यदि विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी प्रतिनिधि सभा में अपनी स्थिति मजबूत करती है तो ट्रंप प्रशासन के लिए अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाना आसान नहीं रहेगा। ऐसे में पिया की जीत को उस व्यापक चुनावी परिदृश्य के हिस्से के रूप में भी देखना चाहिए, जिसमें ट्रंप की नीतियों और नेतृत्व की लोकप्रियता की परीक्षा हो रही है। भारत के लिए इस घटनाक्रम में एक सकारात्मक संदेश भी छिपा है। भारतीय मूल के नागरिक दुनिया के अलग-अलग देशों में अपनी प्रतिभा और क्षमता के दम पर नेतृत्व के पदों तक पहुंच रहे हैं। यह भारतीय समाज की वैश्विक उपस्थिति का प्रमाण है। लेकिन इससे भी बड़ा संदेश यह है कि लोकतंत्र में किसी व्यक्ति की पारिवारिक जड़ें नहीं, बल्कि उसकी योग्यता, विचार और जनता के बीच उसकी स्वीकार्यता निर्णायक हो सकती है। पिया डांडिया की जीत ट्रंप के राजनीतिक प्रभाव को समाप्त करने का प्रमाण नहीं है और न ही इससे अमेरिकी राजनीति की दिशा पूरी तरह बदल गई है। लेकिन यह जरूर बताती है कि राजनीतिक गढ़ भी हमेशा अभेद्य नहीं होते। मतदाता के मन में उठते सवाल, बदलती प्राथमिकताएं और स्थानीय मुद्दे बड़े से बड़े राजनीतिक प्रभाव को चुनौती दे सकते हैं। ट्रंप के गढ़ में पिया की जीत का असली राजनीतिक संदेश यही है कि लोकतंत्र में कोई भी किला स्थायी नहीं होता। जनता का भरोसा ही सत्ता की असली ताकत है।

भाजपा करेगी चुनावी शक्ति प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव-2027 की आहट के बीच भाजपा ने अपनी चुनावी तैयारियों को नई धार देनी शुरू कर दी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की देहरादून में प्रस्तावित रैली को लेकर पार्टी ने पूरी ताकत झोंक दी है। संगठन से लेकर सरकार तक इस आयोजन को सफल बनाने की कवायद में जुटे हैं। पार्टी के लिए यह रैली महज एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले अपनी ताकत, संगठनात्मक क्षमता और चुनावी तैयारियों को परखने का बड़ा अवसर भी है। भाजपा इस आयोजन के जरिए प्रदेश की सियासत में यह संदेश देना चाहती है कि चुनावी मुकाबले के लिए उसका संगठन पूरी तरह तैयार है।

उत्तराखंड में पिछले कुछ समय से भाजपा की राजनीतिक गतिविधियों में तेजी आई है। संगठनात्मक बैठकों, विधानसभा स्तर पर तैयारियों, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और राष्ट्रीय नेताओं के दौरों के जरिए पार्टी चुनावी जमीन मजबूत करने में जुटी है। अब अमित शाह की रैली को इसी रणनीति की महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी नेतृत्व जानता है कि शाह का राजनीतिक संदेश केवल कार्यकर्ताओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उसका असर प्रदेश की व्यापक राजनीतिक बहस पर भी पड़ेगा।

भाजपा की रणनीति में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार की उपलब्धियों को चुनावी मुद्दा बनाना भी शामिल है। समान नागरिक संहिता, नकल विरोधी कानून, धर्मांतरण कानून, महिला सशक्तीकरण, बुनियादी ढांचे के विकास और केंद्र से मिली परियोजनाओं को पार्टी जनता के सामने रख रही है। वहीं विपक्ष बेरोजगारी, भर्ती प्रक्रियाओं में विवाद, पलायन, महंगाई, भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में है। यही वजह है कि अमित शाह की रैली भाजपा के लिए दोहरी परीक्षा होगी। एक तरफ उसे अपने कार्यकर्ताओं में जोश भरना है, दूसरी तरफ सरकार के पांच साल के कामकाज को लेकर जनता के बीच बन रही धारणा का भी मुकाबला करना है। पार्टी के रणनीतिकारों के सामने यह चुनौती है कि विकास और उपलब्धियों का संदेश केवल मंचों तक सीमित न रहे, बल्कि गांवों और कस्बों तक पहुंचे।

◆देहरादून में केंद्रीय गृह मंत्री की प्रस्तावित रैली को सफल बनाने के लिए संगठन से सरकार तक सक्रिय
◆भीड़ जुटाने से लेकर बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी, भाजपा के लिए चुनावी माहौल बनाने का मौका

भाजपा की इस सक्रियता का सीधा असर कांग्रेस की चुनावी रणनीति पर पड़ना तय है। कांग्रेस पहले से ही सरकार के खिलाफ मुद्दों को लेकर जनसंपर्क और राजनीतिक कार्यक्रमों की तैयारी कर रही है। ऐसे में अमित शाह की रैली के बाद प्रदेश की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप और तेज होने की संभावना है। कांग्रेस भाजपा के शक्ति प्रदर्शन को सरकारी संसाधनों और संगठनात्मक दबाव से जोड़कर सवाल उठा सकती है, जबकि भाजपा विपक्ष की तैयारियों को कमजोर बताने का प्रयास करेगी। दिलचस्प यह भी है कि छोटे क्षेत्रीय दल और नए राजनीतिक मंच भी भाजपा-कांग्रेस की बढ़ती गतिविधियों के बीच अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उत्तराखंड क्रांति दल, आम आदमी पार्टी और अन्य राजनीतिक संगठन चुनावी मुद्दों पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में जुटे हैं। ऐसे में भाजपा की बड़ी रैली प्रदेश के अन्य राजनीतिक दलों को भी अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर सकती है।

फिलहाल भाजपा ने अमित शाह की रैली को प्रतिष्ठा का सवाल बना लिया है। पार्टी के लिए यह अपनी ताकत दिखाने, कार्यकर्ताओं में जोश भरने और विपक्ष को राजनीतिक चुनौती देने का मौका है। लेकिन उत्तराखंड की जनता केवल रैलियों और नारों के आधार पर फैसला नहीं करती। पहाड़ की सड़क, गांव का अस्पताल, युवाओं का रोजगार, पलायन और स्थानीय समस्याएं चुनाव के असली मुद्दे रहेंगे। अमित शाह की रैली से भाजपा चुनावी माहौल बनाने में कितनी सफल होती है, यह तो आने वाला समय बताएगा। लेकिन इतना तय है कि देहरादून का यह शक्ति प्रदर्शन उत्तराखंड की 2027 की सियासत को नई गर्मी देने वाला है।

मासूमों की मौत पर 'सिस्टम' मौन

कार्यालय संवाददाता

देहरादून/पौड़ी। पहाड़ में शाम ढलते ही अब केवल अंधेरा नहीं उतरता, लोगों के मन में खौफ भी उतर आता है। घर के आंगन में खेलते बच्चे, खेतों की ओर जाती महिलाएं, मवेशियों के लिए चारा लेने निकलते ग्रामीण और स्कूल से लौटते बच्चे हर कदम पर अनजाने खतरे के साये में हैं। इस खतरे का नाम है गुलदार। उत्तराखंड के पर्वतीय गांवों में गुलदार के हमले अब छिटपुट घटनाएं नहीं रह गए हैं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक संकट का रूप ले चुके हैं। पौड़ी जिला मुख्यालय के समीप खांड्यूसैंण में पांच वर्षीय आरुषि की दर्दनाक मौत ने एक बार फिर इस संकट की भयावहता सामने ला दी है। मंगलवार शाम करीब छह बजे गुलदार ने कृष्ण कुमार की मासूम बेटी को अपना शिकार बना लिया। एक परिवार की दुनिया उजड़ गई और पूरे इलाके में मातम के साथ आक्रोश फैल गया।

यह पहली घटना नहीं है, जब किसी मासूम की जिंदगी गुलदार के हमले में चली गई हो। हर बार एक गांव की खुशियां मातम में बदलती हैं, हर बार ग्रामीण सड़कों पर उतरते हैं, हर बार वन विभाग के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचते हैं और हर बार कार्रवाई का भरोसा दिया जाता है। लेकिन कुछ समय बाद सब कुछ फिर पुराने ढर्रे पर लौट आता है। अगली घटना तक प्रशासनिक सक्रियता ठंडी पड़ जाती है और पहाड़ के लोगों को अपने हाल पर छोड़ दिया जाता है। आरुषि की मौत ने इसी व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

खांड्यूसैंण में आरुषि की मौत के बाद ग्रामीणों का आक्रोश स्वाभाविक है। वन मंत्री सुबोध उनियाल और मौके पर पहुंचे विधायक राजकुमार पोरी के खिलाफ ग्रामीणों ने जमकर नारेबाजी की। वन मंत्री पौड़ी आओ के नारों के बीच लोगों ने साफ कर दिया कि अब उन्हें केवल संवेदना और आश्वासन नहीं चाहिए। उन्हें अपने बच्चों और परिवारों की सुरक्षा चाहिए। ग्रामीणों का सवाल है कि जब गुलदार की सक्रियता लगातार बनी हुई है, जब हमलों का खतरा पहले से दिखाई दे रहा है, तब प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं किए जाते?

◆पौड़ी में पांच साल की आरुषि को गुलदार ने बनाया निवाला, फिर सड़कों पर उतरा जनाक्रोश
◆हमले के बाद वन विभाग की दौड़भाग, मुआवजे व आश्वासनों का सिलसिला, सुरक्षा की गारंटी नहीं
◆पहाड़ का सवाल यह कि इंसान की जिंदगी से ज्यादा कीमती कब तक रहेगा सिस्टम का इंतजार?

दरअसल, पहाड़ के ग्रामीणों का गुस्सा किसी एक घटना का परिणाम नहीं है। यह वर्षों से जमा होती आ रही उस पीड़ा का विस्फोट है, जिसमें ग्रामीणों को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी भी खतरे के बीच गुजारनी पड़ रही है। कई गांवों में लोग शाम ढलने के बाद घरों से बाहर निकलने से डरते हैं। बच्चों को अकेले स्कूल भेजने में अभिभावक भयभीत हैं। महिलाओं के लिए खेतों और जंगलों तक जाना जोखिम भरा हो गया है। सवाल यह है कि क्या पहाड़ के लोगों को अपने ही गांवों में सुरक्षित रहने का अधिकार नहीं है?

खांड्यूसैंण की घटना के बाद वन विभाग ने हमलावर गुलदार को आदमखोर घोषित करने के लिए मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक को पत्र भेजा है। डीएफओ गढ़वाल महातिम यादव के अनुसार, विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है और उच्चाधिकारियों को घटना की जानकारी दे दी गई है। यह प्रशासनिक प्रक्रिया अपनी जगह है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि विभाग की सक्रियता किसी की जान जाने के बाद ही क्यों दिखाई देती है? गुलदार के हमलों से प्रभावित क्षेत्रों में नियमित निगरानी, कैमरा ट्रैप, संवेदनशील इलाकों की पहचान, गश्त और स्थानीय लोगों को समय रहते सतर्क करने की व्यवस्था क्यों प्रभावी नहीं हो पा रही है? क्या वन विभाग के पास ऐसी कोई समग्र कार्ययोजना है, जिससे हमलों की आशंका वाले गांवों में पहले से सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके? हर घटना के बाद गुलदार को पकड़ने या आदमखोर घोषित करने की प्रक्रिया शुरू करना समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता।

दीपावली के लिये बाजारों में छाने लगी रौनक

ऋषिकेश(आरएनएस)। दीपावली का पर्व नजदीक आते ही डोईवाला के बाजारों में त्योहार की रौनक दिखाई देने लगी है। रेलवे रोड, मिल रोड, देहरादून रोड और ऋषिकेश रोड पर दुकानदारों ने अपनी दुकानें आकर्षक सजावटी सामान से सजा दी हैं। बाजार में रंग-बिरंगी आर्टिफिशियल मालाएं, फूलों की लड़ियां, तोरण, झालर और घरों को सजाने के लिए विभिन्न प्रकार की सामग्री उपलब्ध है।दुकानों पर सजे रंगीन सामान त्योहार के उत्साह को और बढ़ा रहे हैं। लोग घरों और प्रतिष्ठानों को सजाने के लिए अपनी पसंद का सामान देखने और खरीदने बाजार पहुंच रहे हैं। रेलवे रोड के माला विक्रेता पवन सिंघल ने बताया कि दीपावली पर घरों के मुख्य द्वार और मंदिरों को सजाने के लिए आर्टिफिशियल मालाओं की विशेष मांग रहती है।इस बार ग्राहकों के लिए अलग-अलग रंग, आकार और डिजाइन की मालाएं उपलब्ध कराई गई हैं। त्योहार नजदीक आने के साथ बाजार में ग्राहकों की आवाजाही भी बढ़ने लगी है। ऋषिकेश रोड के व्यापारी शुभम महावर ने बताया कि दीपावली पर लोग घरों को नया और आकर्षक रूप देने के लिए सजावटी सामान की खरीदारी करते हैं। ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए दुकानों पर विभिन्न प्रकार की सजावटी सामग्री रखी गई है। उम्मीद है कि दीपावली से पहले बाजार में खरीदारी का उत्साह और बढ़ेगा।

बेस अस्पताल में तैनात हो कार्डियोलॉजिस्ट

कोटद्वार(आरएनएस)। नागरिक मंच की मासिक बैठक व्यापार मंडल सभागार में अध्यक्ष चंद्रप्रकाश नैथानी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में शहर की शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन और विकास से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा कर उनके समाधान की मांग उठाई गई।हुई बैठक में कोटद्वार से दिल्ली के लिए वातानुकूलित बस सेवा दोबारा शुरू करने और शाम चार से पांच बजे के बीच बस सेवा संचालित करने की मांग की गई। इसके अलावा कोटद्वार-पौखाल-भंवासी-ऋषिकेश होते हुए देहरादून तक रोडवेज बस चलाने की मांग सहायक प्रबंधक अनुराग पुरोहित के समक्ष रखी।वहीं, बैठक में राजकीय बेस अस्पताल में हृदय रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति नहीं होने का मुद्दा उठाया गया। नागरिक मंच के सदस्यों ने जोर देते हुए कहा कि हृदयाघात से पीड़ित मरीजों को रेफर करने के दौरान रास्ते में जान का खतरा बना रहता है। महासचिव अतुल भट्ट के संचालन में आयोजित बैठक में शंकर दत्त गौड़, केसीराम निराला, चित्रमणि देवलियाल, मयस्सर बलूनी, गोविंद डंडरियाल, देवव्रत काला, हर्षवर्धन ध्यानी, राकेश लखेड़ा, इंद्रमणि देवरानी, राजेंद्र पंत, सत्यनारायण नौटियाल, सूर्य नारायण पांडे, भारत मोहन काला, सुदीप बौंठियाल सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

हर्षिल घाटी में दिख रही प्रवासी पक्षी डेमोइसेल क्रेन

उत्तरकाशी(आरएनएस)। हर्षिल घाटी में नदियों के किनारे इन दिनों प्रवासी पक्षी डेमोइसेल क्रेन का अच्छी संख्या में विचरण देखने को मिल रहा है। पक्षी कुछ दिन घाटी के आसपास विश्राम कर उसके बाद देश के राजस्थान व अन्य प्रदेशों के लिए रवाना होती है। नदियों के किनारे इनका विचरण व अन्य गतिविधियां पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।गंगोत्री रेंज अधिकारी यशवंत चौहान ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी हर्षिल और इसके आसपास के क्षेत्रों में डेमोइसेल क्रेन पक्षी दिख रहे हैं। भागीरथी नदी के किनारों पर सबसे अधिक देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि पक्षी हर वर्ष साइबेरिया सहित चीन आदि देशों में ठंड अधिक बढ़ने के बाद भारत के मैदानी इलाकों के राज्यों की ओर प्रवास करते हैं।इस दौरान वे हिमालय की समुद्रतल से करीब 16 से 20 हजार फीट तक की ऊंचाई को पार करते हैं। इस दौरान ये लंबी दूरी तय करने के बाद हर्षिल घाटी में पानी और भोजन के लिए रुकते हैं। पक्षी करीब एक माह तक घाटी के आसपास प्रवास करते हैं। उसके बाद भोजन और पानी की आपूर्ति कर देश के मैदानी राज्यों के लिए रवाना होते हैं।

स्नो मेकिंग मशीन को फिर शुरू करने के प्रयास

चमोली(आरएनएस)। औली में कई वर्षों से बंद पड़ी स्नो मेकिंग मशीन को फिर से चालू करने के लिए गढ़वाल मंडल विकास निगम की ओर से प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए निगम की ओर से मशीनों का तकनीकी निरीक्षण किया जा रहा है। यदि मशीन में कोई समस्या आती है तो उसे दूर कर बर्फ बनाने का प्रयास किया जाएगा। औली में विंटर गेम्स के दौरान बर्फ बनाने की दो मशीनें लगाई गई थीं लेकिन इन मशीनों से कभी भी बर्फ नहीं बनाई गई। शुरुआत में सही तापमान मिलने पर कुछ जगह पर हल्की बर्फ बनी थी लेकिन पिछले कई वर्षों से यह मशीनें बंद पड़ी हैं। अब इस सर्दी में इन मशीनों को चलाने के लिए गढ़वाल मंडल विकास निगम की ओर से प्रयास किए जा रहे हैं। निगम के तकनीशियन दीपक डिमरी ने बताया कि यह मशीनें वर्षों से बंद पड़ी हैं। इन दोनों मशीनों का निरीक्षण किया जा रहा है। यदि मशीन में कोई खामी मिलती है तो उसे दूर किया जाएगा। यदि मशीनें ठीक हैं तो उनसे बर्फ बनाने का प्रयास किया जाएगा।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

पार्किंग में अव्यवस्था और गंदगी पर डीएम नाराज, संचालक को नोटिस देने के निर्देश

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने नगर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था, पार्किंग प्रबंधन और सार्वजनिक सुविधाओं का जायजा लिया। शिखर तिराहे स्थित नगर पालिका पार्किंग में अव्यवस्था, वाहनों की बेतरतीब पार्किंग और गंदगी मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई।

जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त को पार्किंग संचालक को नोटिस जारी करने और व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने टैक्सी स्टैंड तिराहे स्थित पार्किंग से खोल्टा की ओर जाने वाले सीढ़ी मार्ग का जायजा लिया। यहां पानी की पाइपलाइन में रिसाव, गंदगी और आसपास झाड़ियां उगी मिलीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पाइपलाइन का रिसाव तत्काल ठीक कराने, सीढ़ी मार्ग की सफाई कराने और झाड़ियों का कटान करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने टैक्सी स्टैंड तिराहे के समीप स्थित पार्किंग का निरीक्षण किया। पार्किंग के नीचे खुले हिस्से को सुरक्षित तरीके से बंद कराने के निर्देश दिए। साथ ही वहां उपलब्ध खाली स्थान का जनहित में उपयोग करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने को कहा। जिलाधिकारी ने पशु अधिकार कार्यकर्ता कामिनी कश्यप द्वारा संचालित डॉग शेल्टर का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने शेल्टर परिसर और आसपास की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए झाड़ियों का कटान कराने तथा साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिखर तिराहे स्थित नगर पालिका पार्किंग के निरीक्षण के दौरान अव्यवस्थित ढंग से खड़े वाहन और गंदगी मिलने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई।

उन्होंने नगर आयुक्त सीमा विश्वकर्मा को पार्किंग संचालक को नोटिस देने के निर्देश दिए। साथ ही वाहनों को निर्धारित तरीके से खड़ा कराने और परिसर में व्यापक सफाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि पार्किंग में उपलब्ध स्थान का अधिकतम उपयोग होना चाहिए, ताकि आम लोगों को परेशानी न हो।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर क्षेत्र में स्वच्छता, पार्किंग व्यवस्था और सार्वजनिक सुविधाओं के रखरखाव में किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए। निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों को प्राथमिकता से दूर करने के साथ ही सार्वजनिक स्थलों की नियमित निगरानी भी सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त सीमा विश्वकर्मा, उपजिलाधिकारी संजय कुमार, पशु अधिकार कार्यकर्ता कामिनी कश्यप, पार्षद अमित साह, अभिषेक जोशी और कृष्ण बहादुर सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

ऊधम सिंह नगर को मिलीं 22 नई महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता

रुद्रपुर(आरएनएस)। ऊधम सिंह नगर जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देने के लिए 22 नई महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (एएनएम) की नियुक्ति की गई है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में सीएमओ डॉ. संजीव कुमार गोस्वामी ने चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। उन्होंने सभी को बधाई देते हुए पूरी निष्ठा और सेवाभाव से विभागीय दायित्व निभाने की अपील की। उत्तराखंड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड, देहरादून की ओर से स्वास्थ्य कार्यकर्ता के रिक्त पदों पर भर्ती की गई थी। इसके तहत जिले को कुल 23 अभ्यर्थी आवंटित हुए थे। 30 अक्तूबर से अभिलेखों के सत्यापन की प्रक्रिया शुरू की गई थी।इसके बाद 31 अक्तूबर को नियुक्ति पत्र तैयार किए गए। 22 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंप दिए गए। वहीं, एक अभ्यर्थी के दस्तावेजों में तकनीकी कमी मिलने के कारण उनका नियुक्ति पत्र रोक दिया गया है। संबंधित अभ्यर्थी को दस्तावेज पूरे करने का अवसर दिया गया है। सीएमओ डॉ. संजीव गोस्वामी ने बताया कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के स्वास्थ्य उपकेंद्रों में एएनएम की कमी दूर होगी।

गंगा की लहरों पर भारतीय सेना ने दिखाया शौर्य

ऋषिकेश(आरएनएस)। भारतीय सेना की 8वीं बटालियन की द मराठा लाइट इन्फैंट्री के 19 जवानों ने व्हाइट वाटर राफ्टिंग की। जिसमें जवानों ने चार दिनों में 150 किलोमीटर तक राफ्टिंग कर गंगा की प्रचंड जलधाराओं और चुनौतीपूर्ण रैपिड्स का आनंद उठाया।भारतीय सेना की 8वीं बटालियन की द मराठा लाइट इन्फैंट्री द्वारा रुद्रप्रयाग में आयोजित चार दिवसीय व्हाइट वाटर राफ्टिंग अभियान का समापन ऋषिकेश में हुआ। अभियान के तहत कैप्टन जयराज कांदिल के नेतृत्व में 19 साहसी सैन्यकर्मियों के दल ने रुद्रप्रयाग से ऋषिकेश तक 150 किलोमीटर तक गंगा में राफ्टिंग की। कैप्टन जयराज कांदिल ने कहा कि इस साहसिक अभियान का मुख्य उद्देश्य सैन्यकर्मियों को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपनी क्षमताओं को पहचानने और उन्हें और अधिक विकसित करने के साथ-साथ साहसिक गतिविधियों के प्रति प्रेरित करना है। इसके माध्यम से जवानों में आपसी सौहार्द, भाईचारे, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना को भी और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा।

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों ने हरकी पैड़ी से धोबी घाट तक चलाया सफाई अभियान

हरिद्वार(आरएनएस)। गंगा घाटों की स्वच्छता और निर्मलता बनाए रखने के उद्देश्य से सेवानिवृत्त पुलिस-परिवारजन कल्याण समिति ने सफाई अभियान चलाया। समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने हरकी पैड़ी से धोबी घाट तक विभिन्न घाटों पर श्रमदान कर कचरा एकत्र किया। सुबह आठ बजे से साढ़े 11 बजे तक चले अभियान के दौरान सदस्यों ने लोगों को गंगा और घाटों को स्वच्छ रखने के प्रति जागरूक भी किया। समिति के सदस्यों ने कहा कि मां गंगा की अविरल धारा को निर्मल बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। गंगा के प्रति आस्था प्रकट करने के साथ ही घाटों की स्वच्छता का ध्यान रखना भी जरूरी है।उन्होंने इस अभियान को धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा का कार्य बताया। अभियान में समिति के सचिव चेतन बहुगुणा, संरक्षक पदाधिकारी नुयाल, उपाध्यक्ष सोहन लाल मुगाल, कोषाध्यक्ष जयकृत भंडारी, सुरेश कुमार, सत्यप्रकाश सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

टीडीसी और राष्ट्रीय बीज निगम मिलकर बढ़ाएंगे कारोबार

रुद्रपुर(आरएनएस)। उत्तराखंड बीज एवं तराई विकास निगम (टीडीसी) और राष्ट्रीय बीज निगम आपसी सहयोग से अपने कारोबार और व्यावसायिक गतिविधियों का विस्तार करेंगे। डीएम नितिन सिंह भदौरिया ने दोनों संस्थाओं को दीर्घकालिक व्यावसायिक रणनीति के तहत काम करने के निर्देश देते हुए कहा कि आपसी समन्वय और सहयोग से दोनों संस्थाओं को लाभ पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने टीडीसी के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्यालय भवन को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप आधुनिक मॉडल कार्यालय के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। डीएम ने कैम्प कार्यालय में उत्तराखंड बीज एवं तराई विकास निगम की बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने टीडीसी और राष्ट्रीय बीज निगम के बीच आपसी सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थाओं को केवल तात्कालिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक व्यवसाय को ध्यान में रखकर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना चाहिए, जिससे उनकी व्यावसायिक स्थिति मजबूत हो और दोनों संस्थाएं लाभान्वित हों। बैठक में डीएम ने टीडीसी के विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी की। टीडीसी के कार्यालय भवन निर्माण की स्थिति की जानकारी लेते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि भवन का प्रारूप भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया जाए। कार्यालय को मॉडल कार्यालय के रूप में विकसित किया जाए, जिसमें आगंतुकों के लिए बेहतर प्रतीक्षालय, अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए सुविधाजनक कक्ष तथा अन्य आधुनिक व्यवस्थाएं उपलब्ध हों। डीएम ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने और सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरे करने के निर्देश दिए। बैठक में निदेशक अंकुर पपनेजा, डॉ. अमित भटनागर, मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. वीकेएस यादव, पंकज कुमार शुक्ला, डॉ. दीपक पांडे, जीसी तिवारी, नकुल जोशी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।



पुलिस ने 60 मोबाइल बरामद कर उनके मालिकों को सौंपे!

हमारे संवाददाता

टिहरी। मिशन मुस्कान के तहत कार्यवाही करते हुए पुलिस दीपावली से पूर्व 60 मोबाइल बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों के सुपुर्द कर दिया है। जिससे उनके चेहरो की मुस्कान लौट आयी है।

दीपावली एवं अन्य त्योहारों के पावन अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल श्रीमती श्वेता चौबे के नेतृत्व में टिहरी पुलिस ने आमजन को एक विशेष उपहार देते हुए 'मिशन मुस्कान' के तहत वर्ष 2026 में अब तक 60 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किए हैं। बरामद किए गए मोबाइल फोनों की अनुमानित कीमत 16 लाख रूपये से अधिक बतायी जा रही है। इनमें विशेष उपलब्धि के रूप में भारत सरकार के सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से 60 गुमशुदा/चोरी हुए मोबाइल फोन विभिन्न राज्यों से ट्रेस कर बरामद किए गए हैं। दीपावली खुशियों, रोशनी और अपनों के साथ त्योहार मनाने का पर्व है। ऐसे अवसर पर जब किसी व्यक्ति को उसका खोया हुआ मोबाइल वापस मिलता है तो उसके साथ केवल एक मोबाइल फोन वापस नहीं आता, बल्कि उसमें सुरक्षित परिवार की तस्वीरें, महत्वपूर्ण संपर्क, जरूरी दस्तावेज, यादें और निजी जानकारियां भी वापस मिलती हैं। कई लोगों ने टिहरी पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि उन्हें अपना मोबाइल वापस मिलने की उम्मीद लगभग समाप्त हो चुकी थी, लेकिन टिहरी पुलिस के तकनीकी प्रयासों और लगातार की गई कार्रवाई से उन्हें उनका मोबाइल वापस मिल सका है।

गेट का ताला तोड लाखों की नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने गेट का ताला तोड वहां से लाखों रूपये की नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार इन्द्रानगर कालोनी निवासी रंगनाथ पाण्डेय ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गये थे। जब वह आज वापस आये तो उन्होंने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उनके यहां से 7 लाख 7० हजार रूपये की नगदी चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बालावाला में राम लीला का भव्य विश्राम

संवाददाता

देहरादू। बालावाला में राम लीला के भव्य विश्राम के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि रावण त्रेतायुग से अब तक मर नहीं रहा है। बालावाला में पिछले चौदह वर्ष से चली आ रही राम लीला का कुंभकरण व रावण वध तथा भगवान श्री राम का सीता जी व लखन हनुमान जी के साथ अयोध्या आगमन व श्री राम जी का राज तिलक का भव्य मंचन के साथ ही विश्राम हो गया। समारोह के समापन अवसर पर मुख्य अतिथी के रुप में प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने दीप प्रज्वलित कर अंतिम दिवस की रामलीला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर ध स्माना ने श्रद्धालु श्रोताओं को राम लीला के निर्विघ्न पूर्ण होने की शुभकामनायें देते हुये कहा कि कलिकाल में भगवान राम से भी बड़ा भगवान का नाम स्मरण व नाम जपना है उन्होंने राम चरित मानस की चौपाई 'यहि कलिकाल ना साध न दूजा जोग जग्य जप तप व्रत पूजा रामही सुमरिह गाहही रामही संतत सुनही राम गुण ग्रामही'। उन्होंने कहा कि राम घट घट में व्यापत हैं और जहां प्रेम हो वहां राम स्वयं प्रकट हो जाते हैं तभी तुलसी बाबा ने कहा कि 'रामही केवल प्रेम पियारा जानही ले जो जाननिहारा' धस्माना ने कहा कि राम की कथा अनंत है जो कभी खत्म नहीं होती निरंतर चलती रहती है। इस अवसर पर राम लीला समिती अध्यक्ष गोपाल सिंह तडियाल, सुनील प्रसाद भदोला, मंगल सिंह रावत, गणेश रावत, यशवंत सिंह असवाल, मनीष बुडाकोटी आदि पदाधिकारियों ने धस्माना का अंग वस्त्र व प्रतीक चिह्न भेंट कर स्वागत किया।



रावण त्रेतायुग से अब तक मर नहीं रहा: धस्माना

विकसित भारत युवा संसद प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन



संवाददाता

देहरादून। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अन्तर्गत विकसित भारत यतुवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

आज यहां भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अन्तर्गत मेरा युवा भारत, ऊधम सिंह के तत्वाधान में राजकीय महाविद्यालय, किच्छा, ऊध म सिंह नगर द्वारा 'विकसित भारत युवा संसद प्रतियोगिता 2026-27' का आयोजन हुआ। महाविद्यालय के सेमिनार हाल में सुबह 11 बजे से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन आयोजन के मुख्य अतिथि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, द्वारहाट, अल्मोड़ा के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर ए. के. श्रीवास्तव तथा राजकीय महाविद्यालय, किच्छा के प्राचार्य प्रोफेसर राजीव रतन के द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके पश्चात विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट के कार्यक्रम समन्वयक डॉ.राजेश कुमार सिंह द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राजीव रतन द्वारा की गयी। अपने अध्यक्षीय उद्बाधन में प्राचार्य ने इस प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न भागों से आये प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। जिला युवा अधिकारी, ऊधम सिंह नगर रोशन कुमार द्वारा अपने उद्बोधन में प्रतिभागियों और निर्णायकों को इस प्रतियोगिता की बारीकियों से परिचित कराया गया। इस कार्यक्रम में प्रो. ए. के. श्रीवास्तव, पूर्व प्राचार्य, प्रो. पुष्पा देवी, सृजन पुस्तकालय, ऊधम सिंह नगर की संयोजक तथा सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती उषा टम्टा, डॉ.प्रकाश चंद भट्ट तथा डॉ.राजेश कुमार सिंह ने इस प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल की भूमिका निभाई। विकसित भारत यंग लीडर्स डॉयलॉग 2027 के एक समर्पित ट्रैक के रूप में आयोजित इस प्रतियोगिता के लिए ऊधम सिंह नगर जनपद के 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं द्वारा प्रतिभाग किया जाना था। इस प्रतियोगिता के लिए माई भारत पोर्टल पर कुल 62 युवाओं ने आवेदन किया था। प्रतियोगिता के लिए ऊधम सिंह नगर जनपद के कुल 20 प्रतिभागी उपस्थित हुए। प्रतिभागियों ने 'एक राष्ट्र - एक चुनाव' विषय पर अपना विचार व्यक्त किया। इनमें से प्रत्येक प्रतिभागी को अपने विचार व्यक्त करने के लिए कुल 3 मिनट का समय मिला । निर्णायक मण्डल ने इनमें से कुल 03 प्रतिभागियों आमिर, गणेश भट्ट और प्रभात कुमार सिंह को राज्य स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता के लिए विजयी घोषित किया। इस प्रतियोगिता में आमिर ने प्रथम स्थान, गणेश भट्ट ने द्वितीय स्थान तथा प्रभात कुमार सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की अर्थशास्त्र विभाग प्रभारी प्रो.शैलजा जोशी, मेरा युवा भारत के शांति भूषण पाण्डेय, वैशाली मेहता, अर्जुन यादव तथा महाविद्यालय के कर्मचारी उपेंद्र कुमार, आनन्द सिंह, सोनू और नरेश ने विशेष सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की राष्ट्रीय योजना के स्वयंसेवी ने तथा छात्र संघ पदाधिकारियों ने अपना विशेष योगदान दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शब्द सामर्थ्य -57

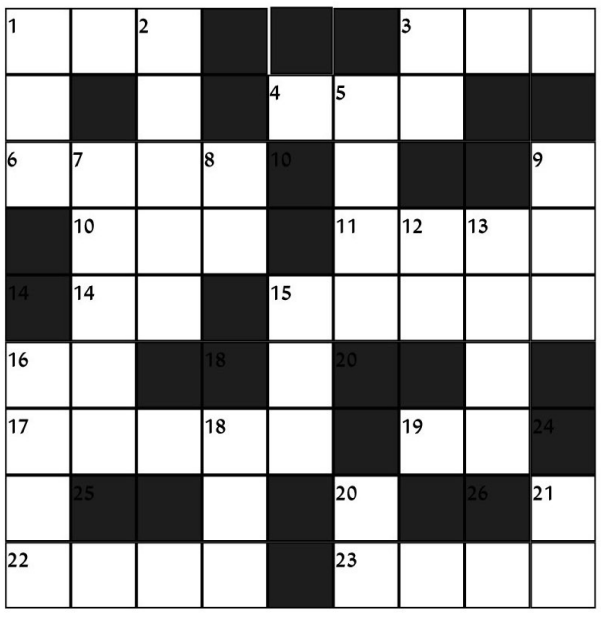
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 56 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

बच्चों को शिक्षा का महत्व समझाना जरुरी है: डॉ. स्वामी

हमारे संवाददाता

देहरादून। शैल कला एवं ग्रामीण विकास समिति (पंजी -1988) के तत्वावधान में राजकीय प्राथमिक विद्यालय इंदिरा कॉलोनी में सोशल इंटर्नशिप करने वाले 4 प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सर्व प्रथम अशोक कुमार, दिलखुश, ऋषि कुमार, प्रिंस कुमार ने अपने हाथों से तैयार किए कागज के गुलदस्ते भेंट किए। प्रशिक्षकों ने डॉ स्वामी एवं अर्चना रुहेला को पुष्प गुच्छ भेंट किए। डीआईटी यूनिवर्सिटी के चार सर्वश्री अभिनव चंद्रा, विक्रांत वीर सोलंकी, काजल राय एवं अक्षिता आले प्रशिक्षुओं द्वारा दिनाँक 26 सितम्बर से 31 अक्टूबर 2026 तक सोशल इंटर्नशिप के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय इंदिरा कॉलोनी में बच्चों को शिक्षण कार्य कराने में सहयोग किया। शैल कला एवं ग्रामीण विकास समिति के संस्थापक अध्यक्ष डॉ स्वामी एस चंद्रा ने बताया कि प्रति वर्ष विभिन्न महाविद्याल एवं विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राएं सोशल इंटर्नशिप हेतु प्रशिक्षण आते हैं, संस्था का प्रयास रहता है प्रशिक्षण के समय समाज से जुड़ी हर विषय समझाने का प्रयास किया जाता है। बच्चों को शिक्षा का महत्व समझाना जरूरी है।



विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती अर्चना रुहेला ने बताया कि प्रशिक्षु बहुत अच्छी तरह से बच्चों को पढ़ा रहे थे, उनको भी काफी कुछ सीखने को मिलता है। प्रशिक्षु अभिनव चंद्रा, विक्रांत वीर सोलंकी, काजल राय एवं अक्षिता आले ने अपने अनुभव साझा किए। बच्चों ने भी अपने अनुभव बताए, इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने कविता, गीत एवं नृत्य की प्रस्तुति दी।

मेडिकल कॉलेज का शासनादेश जारी नहीं होने पर करेंगे अनशन

नई टिहरी(आरएनएस)। मेडिकल कॉलेज बनाने की मांग को लेकर बौराड़ी गणेश चौक में तीन माह से चले रहे आंदोलन की कोई सुध नहीं लेने पर संयुक्त संघर्ष समिति ने कड़ा रोष जताया है। उन्होंने कहा कि राज्य स्थापना दिवस नौ नंवबर तक सरकार ने नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज बनाने का शासनादेश जारी नहीं किया तो उसके एक-दो दिन बाद आमरण अनशन शुरू किया जाएगा। नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज बनाने की मांग को लेकर संयुक्त संघर्ष समिति पिछले तीन माह से बौराड़ी गणेश चौक में धरना और क्रमिक अनशन में बैठे हैं। लेकिन सरकारी स्तर से कोई सुध नहीं लिए जाने के कारण समिति के लोगों में कड़ा रोष बना हुआ है। समिति के सदस्यों ने कहा कि गैरसैण में आयोजित सत्र में पूरक बजट में भी नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज के लिए कोई धनराशि नहीं रखने पर प्रदेश सरकार के प्रति कड़ी नाराजगी जताई हैाउन्होंने कहा कि तीन माह आंदोलन चलाया जा रहा है, लेकिन कोई सुध नहीं लिए जाने पर अब समिति ने अनिश्चितकालीन भूखहड़ताल शुरू करने का निर्णय लिया है। समिति के प्रवक्ता महीपाल सिंह नेगी ने बताया कि कोर कमेटी ने आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया है। राज्य स्थापना दिवस तक मेडिकल कॉलेज बनाने का शासनादेश जारी नहीं किया जाता है, तो शीघ्र ही भूखहड़ताल शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि सबसे पहले छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व जिला पंचायत सदस्य जीतराम भट्ट अनशन पर बैठेंगे।उन्होंने बताया कि आमरण अनशन के लिए समिति ने संयोजक डॉ. राकेश भूषण गोदियाल, व्यापार मंडल अध्यक्ष शिवराज सिंह सजवाण, उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी राजेंद्र पैन्यूली व देवेंद्र नौडियाल, छात्र नेता राहुल बुटोला और युवा कांग्रेस के लखवीर चौहान का नाम प्रस्तावित किया है।

पुनर्निर्माण के बाद नए मंदिर में विराजे खड़कनाथ देवता

नई टिहरी(आरएनएस)। प्रतापनगर की भदूरा पट्टी के पोखरी गांव में ग्रामीणों के आराध्य खड़कनाथ देवता के नवनिर्मित मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा विधिवत पूजा-अर्चना और भंडारे के साथ संपन्न हुई। करीब 20 साल बाद ग्रामीणों के सामूहिक प्रयासों और क्षेत्रीय लोगों के सहयोग से मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया। प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर मंदिर में रात्रि जागरण आयोजित किया गया। इसके बाद मंदिर का शुद्धीकरण कर धार्मिक अनुष्ठानों के साथ मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई गई। समापन पर भंडारे का आयोजन हुआ जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में शामिल प्रतापनगर के पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रदीप चंद रमोला ने कहा कि खड़कनाथ देवता का मंदिर क्षेत्रवासियों की धार्मिक आस्था और विश्वास का प्रमुख केंद्र है। ग्रामीणों ने एकजुट होकर मंदिर का पुनर्निर्माण कराया है।इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य रविंद्र डिमरी, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजीव पंवार, पूर्व सैनिक संगठन अध्यक्ष युद्धवीर राणा, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. भान सिंह नेगी, पूर्व बीडीसी सदस्य हरि प्रसाद डिमरी, कार्यक्रम संयोजक सिरताज सिंह रावत मौजूद रहे।

गेस्ट टीचरों का मानदेय बढ़ाने को मोर्चा ने बोला हल्ला!

संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा कार्यकर्ताओं ने मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी के नेतृत्व में तहसील घेराव कर गेस्ट टीचरों का मानदेय बढ़ाने एवं शीतकालीन एवं ग्रीष्मकालीन अवकाशों का भी वेतन दिलाने को लेकर तहसील घेराव/ प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन उप जिलाधिकारी, विकासनगर की गैर मौजूदगी में नाजिर श्री बिजल्वाण को सौंपा।



नेगी ने कहा कि प्रदेश भर के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में 10 वर्ष से अधिक समय से कार्यरत लगभग 5000 अतिथि शिक्षकों का भविष्य शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत के नकरापन की वजह से अंधकारमय हो रखा है। नेगी ने कहा कि इन अतिथि शिक्षकों को मात्र 25000 रूपए मानदेय दिया जा रहा है, जोकि नाकाफी है एवं इसके साथ-साथ इन अतिथि शिक्षकों को ग्रीष्मकालीन एवं शीतकालीन अवकाशों का वेतन (मानदेय) भी नहीं मिलता। मूलभूत सुविधाओं के नाम पर इन कार्मिकों को न तो ईपीएफ की सुविधा मिलती है और न ही ईएसआई कीद्य विभागीय मंत्री द्वारा रस्म अदायगी हेतु शिक्षकों का मानदेय बढ़ाने का निर्देश दिया गया था, लेकिन आज तक उस पर अमल नहीं करा पाये।

नेगी ने कहा कि 25000 रुपए में ये अतिथि शिक्षक अपने घरों से 200-400 एवं इससे अधिक किलोमीटर दूर अति दुर्गम इलाकों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, जिसमें से सारा खर्च तो मकान किराया व अन्य खाने-पीने में ही खर्च हो जाता है, ऐसे में परिवार का भरण पोषण कैसे हो। इन शिक्षकों को सुविधा के नाम पर कुछ नहीं मिलता। इन अतिथि शिक्षकों का मानदेय कम से कम 40000 रूपए होना चाहिए व अन्य सुविधाएं भी इनको मिलनी चाहिए।

घेराव/प्रदर्शन में मोर्चा महासचिव आकाश पंवार ,विजय राम शर्मा, दिलबाग सिंह, मुजीबुररहमान सलीम, अमित जैन, हाजी असद, गुप्ता, अशोक चंडोक, प्रवीण शर्मा पिन्नी, महेंद्र सिंघल, आशीष सिंह, चेतन रावत, वाहिद कुरेशी, अजीत चौधरी, अकरम सलमानी, अनंत चंद, मान चंद राणा, रहबर अली, ब्लॉक अध्यक्ष भीम सिंह बिष्ट, अशोक गुप्ता, विनय गुप्ता, विनोद जैन, सुनील कुमार आदि मौजूद थे।

आरोपी शिक्षक को तत्काल जांच कराकर, सलाखों के पीछे भेजने की मांग!

संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन द्वारा समर वैली स्कूल प्रकरण में कछुआ गति से चल रही पुलिस जांच को शीघ्र पूरा कराकर सलाखों के पीछे भेजने की मांग को लेकर सचिव गृह शैलेश बगौली से मिला संयुक्त नागरिक संगठन का शिष्टमंडल। सचिव ने जारी किए निर्देश। वार्ता में संगठन उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र भट्ट,सचिव अवधेश शर्मा, महासचिव सुशील त्यागी शामिल थे। इससे पूर्व पुलिस मुख्यालय में अपर निदेशक पुलिस ला एंड ऑर्डर से मिलने राष्ट्रीय पैरेंट्स एसोसिएशन के आरिफ खान,स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के मुकेश नारायण शर्मा, सांख्य योग फाउंडेशन के डॉक्टर मुकुल शर्मा भी संगठन पदाधिकारियों के साथ पहुंचे थे। परन्तु इनकी अनुपस्थिति में ज्ञापन इनके कार्यालय में दिया गया। पीड़ित छात्रा की मां बीन ाशर्मा भी यहां पहुंची थी।



संगठन द्वारा दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि विगत अवधि में समर वेली स्कूल डालनवाला में वहां के शिक्षक द्वारा श्रीमती बीना शर्मा की 11 वीं कक्षा की छात्रा श्रीशर्मा के साथ हुए शारीरिक मानसिक उत्पीड़न की घटना की थ्त दिनांक 24 अक्टूबर 26 को डालनवाला थाने में करा दी गई थी। यह घटनाक्रम समाचार पत्रों व चैनलों के माध्यम से जनमानस के साथ प्रशासन के संज्ञान में भी आया था। आरोपी शिक्षक को स्कूल के प्रबंधन द्वारा स्कूल से निकाल तो दिया गया, लेकिन तमाम आधुनिक संचार तंत्र होने पर भी अभी तक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल नहीं भेजा जा सका है। इसलिए अब कछुआ गति से चल रही पुलिस जांच जो पाक्सो एक्ट से सम्बद्ध है और 10 दिन से लंबित है। अब इस मामले की जांच किसी तेजतर्रार उच्च पदस्थ अधिकारी को सौंपा जाय। बताया गया है की आरोपी की पुलिस द्वारा गिरफ्तारी ना होने से निराश होकर छात्रा की मां स्कूल के गेट पर धरना देने को मजबूर हैं, यह अफसोजनक भी है।

रोवर-रेंजर इकाई ने किया एक दिवसीय अभ्यास शिविर का आयोजन

संवाददाता

रुद्रपुर। आज सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुद्रपुर के रोवर-रेंजर इकाई द्वारा महाविद्यालय परिसर में एक दिवसीय अभ्यास शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर के दौरान रोवर एवं रेंजरों ने पूरे उत्साह, साहस और टीम भावना के साथ एक शानदार वॉच टावर का निर्माण किया। साथ ही रोवर-रेंजर आंदोलन के गौरवशाली इतिहास, उद्देश्यों एवं सिद्धांतों का ज्ञान प्राप्त किया। इसके पश्चात विभिन्न मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें सभी रोवर-रेंजरों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अवधेश नारायण सिंह ने कहा कि रॉवर्स रेंजर के इस शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में साहस, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता एवं सेवा भावना का विकास करना रहा।



उन्होनें कहा कि सीखना, सेवा करना और साहस के साथ आगे बढ़ना ही रोवर-रेंजर की पहचान है।प्रो0दीपा वर्मा मैडम ने कहा कि आज के समय मे युवाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास, आपदा प्रबंधन, और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी को बढ़ाना ही रॉवर्स रेंजर का उद्देश्य होता है। इस एकदिवसीय शिविर का आयोजन रॉवर्स लीडर मो0अरबाब एवं रेंजर लीडर मुस्कान एवं नशरून ने किया।रेंजर प्रभारी डॉ बसुन्धरा उपाध्याय ने कहा कि जिसके अंदर सेवा और समर्पण का भाव हो वही सच्चे अर्थों में असली रोवर रेंजर है इस एकदिवसीय शिविर में अजय कुमार मिश्रा, करण, संगीता, कुलदीप, अन्नू, नशरून, आशिफ, पीयूष विशाल, अब्दुल, नेहा, प्रियंका, गौरी, दिव्या और संगीता अन्य रॉवर रेंजर उपस्थित थे।

मजदूर नेताओं को किया गया जिला बदर रद्द किया जायेः खीमानन्द

संवाददाता

देहरादून। इंकलाबी मजदूर केन्द्र के अध्यक्ष खीमानन्द ने कहा कि हरिद्वार में मजदूर नेताओं पर गुंडा एक्ट लगाकर उनको जिला बदर करने की कार्यवाही को रद्द किया जाये।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए खीमा नन्द ने कहा कि हरिद्वार में मजदूर नेताओं पर गुंडा एक्ट लगाकर जिला बदर की कार्यवाही को रद्द कियाा जाये। उन्होंने कहा कि हरिद्वार जिला परिषद सदस्य जय प्रकाश, पीपल्स यूथ फ्रंट के इंजीनियर ललित व इंकलाबी मजदूर केन्द्र के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंकज बवाडी उर्फ पंकज कुमार को गुंडा एक्ट के तहत चार माह के लिए जिला बदर कर दिया गया है। इन मजदूर नेताओं का गुनाह यह है कि ये गैरकानूनी ठेका प्रथा के खिलाफ आवाज उठाते है और स्थायी काम पर लगे सभी ठेका और अस्थायी मजदूरों को स्थायी करने की मांग करते है। इन मजदूर नेताओं का अपराध यह है कि ये मजदूरों का न्यूनतम वेतन बढाकर 30 हजार रूपये महीना, ओवरटाइम का कनूनन दुगुना भुगतान, आठ घंटे कार्यदिवस एवं 20 प्रतिशत बोनस के भुगतान की मांग भी करते हैं। इसके लिए सडक पर उतरकर संघर्ष और आंदोलन भी करते हैं। ऐसे में ये मजदूर नेता सिडकुल के कम्पनी मालिकों की आंखों में चुभ रहे हैं, और पूंजीपतियों की एसोसिएशन के इशारे पर जिला प्रशासन ने कानून का मखौल बनाते हुए बिना जांच पडताल के इन्हें जिला बदर कर दिया है। मजदूर नेताओं को गुडा के तहत जिला बदर किया जाना इसी तानाशाही को दिखाता है। इसका मकसद मजदूर आंदोलन के अपराधीकरण के साथ मजदूरों को उनके नेतृत्व से वंचित करना है जिसका पुरजोर विरोध बेहद जरूरी है। यदि उत्तराखण्ड सरकार ने ये मजदूर नेताओं पर लगे फर्जी गुंडा एक्ट खत्म नहीं किये तो व्यापक आंदोलन की कडी में 22 नवम्बर को हरिद्वार में विशाल मजदूर महापंचायत का आयोजन होगा जिसमें देश के अलग-अलग प्रदेशों के ट्रेड यूनियन से जुडे मजदूर नेता, किसान नेता, एवं सामाजिक संगठनों के सदस्य उपस्थित होंगे। प्रेसवार्ता में पंकज बवाडी उर्फ पंकज कुमार, जयप्रकाश, भूपाल, व उवधेश कुमार मौजूद रहे।



भूपतवाला में गंगा पटरी मार्ग की मरम्मत और पीठ बाजार के पुनर्वास की मांग

हरिद्वार(आरएनएस)। भूपतवाला में गंगा पटरी मार्ग की बदहाली और 26 साल पुराने पीठ बाजार के उजड़ने से प्रभावित छोटे दुकानदारों की समस्याओं को लेकर समाजसेवी नितिन यादव यदुवंशी ने जिलाधिकारी से कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने जनता दरबार में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र के माध्यम से जिलाधिकारी को दो अलग-अलग ज्ञापन सौंपे। इनमें गंगा पटरी मार्ग के पुनर्निर्माण और सौंदर्यीकरण के साथ पीठ बाजार के दुकानदारों के पुनर्वास तथा अवैध वसूली रोकने की मांग की गई है। पहले ज्ञापन में नितिन यादव ने बताया कि भागीरथी बिंदु से गीता कुटीर तक गंगा किनारे स्थित पटरी मार्ग की हालत बेहद खराब है। सड़क जगह-जगह टूटने से गहरे गड्ढे बन गए हैं। वहीं, स्ट्रीट लाइटें बंद होने से रात में अंधेरा रहता है। इस मार्ग पर रोजाना सैकड़ों लोग टहलने और व्यायाम करने आते हैं। पुलिस और अन्य सरकारी भर्तियों की तैयारी कर रहे युवा भी यहां दौड़ का अभ्यास करते हैं। सड़क की बदहाली से दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। आगामी स्नान पर्वों और कुंभ मेले के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने से समस्या और गंभीर हो सकती है। उन्होंने मार्ग की मरम्मत, पुनर्निर्माण और सौंदर्यीकरण कराने की मांग की।दूसरे ज्ञापन में उन्होंने बताया कि भूपतवाला में वर्ष 2000 से लग रहे पीठ बाजार में 150 से अधिक छोटे दुकानदार सब्जी, फल, कपड़े और घरेलू सामान बेचकर परिवार का पालन-पोषण कर रहे थे। कुंभ मेले की तैयारियों के चलते बाजार बंद होने से दुकानदारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। नितिन यादव ने आरोप लगाया कि मोतीचूर स्टेशन मार्ग पर दुकान लगाने वाले दुकानदारों से कुछ लोग अवैध वसूली कर रहे हैं। पैसे नहीं देने पर उन्हें धमकाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दुकानदारों को पास के निजी प्लॉट में दुकान लगाने के लिए भेजकर प्रति दुकान 100 रुपये वसूले जा रहे हैं। सड़क किनारे दुकान लगाने वालों से भी वसूली की जा रही है। उन्होंने उजाड़े गए दुकानदारों को दूधाधारी चौक पर फ्लाईओवर के नीचे या अन्य सरकारी भूमि पर अस्थायी बाजार लगाने की अनुमति देने की मांग की। साथ ही कहा कि बाजार में वसूली तत्काल रोकी जाए और निर्धारित शुल्क केवल नगर निगम के अधिकृत कर्मचारी द्वारा ही पारदर्शी तरीके से लिया जाए। उन्होंने प्रशासन से दोनों मामलों में शीघ्र कार्रवाई की उम्मीद जताई।

यमुनोत्री धाम में पोकलेन से शुरू हुआ बाढ़ सुरक्षा कार्य

उत्तरकाशी(आरएनएस)। यमुनोत्री धाम को नदी के कटाव और आपदाओं के खतरों से सुरक्षित करने की दिशा में अब निर्माण कार्यों ने रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है। धाम तक पहुंचाई गई पोकलेन मशीन को दोबारा असेंबल कर तैयार करने के बाद विधिवत पूजा-अर्चना के साथ उससे निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। इससे लंबे समय से चुनौती बने बाढ़ सुरक्षा कार्यों को मजबूती मिलने और निर्माण की गुणवत्ता बेहतर होने की उम्मीद है।

वर्ष 2024 की आपदा के बाद यमुनोत्री धाम में यमुना नदी के कटाव से बचाव के लिए मजबूत और टिकाऊ सुरक्षात्मक निर्माण की जरूरत लगातार महसूस की जा रही थी। अब तक दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और भारी मशीनों की अनुपलब्धता के चलते निर्माण कार्यों में कई मुश्किलें सामने आती रही हैं। ऐसे में पोकलेन मशीन के संचालन शुरू होने को धाम की सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मशीन के माध्यम से अब नदी कटाव से बचाव सहित अन्य सुरक्षात्मक निर्माण कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से अंजाम देने की उम्मीद है। इससे जहां श्रम और समय की बचत होगी, वहीं निर्माण कार्यों को अपेक्षाकृत मजबूत और टिकाऊ बनाया जा सकेगा। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता आरएस बडोनी ने बताया कि मशीन को धाम तक पहुंचाने के साथ उसे दोबारा तैयार करना चुनौतीपूर्ण रहा। उच्चाधिकारियों के मार्गदर्शन में यह संभव हो सका। दीपावली के बाद बाढ़ सुरक्षा कार्यों को विधिवत रूप से धरातल पर उतारा जाएगा। इस मौके पर तीर्थ पुरोहित प्रदीप उनियाल, कार्यदायी संस्था के प्रबंधक दयाशंकर बलूनी सहित सिंचाई विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

सू- दोकू क्र. 57

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 56 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

स्कूली बच्चों को गुड टच-बैड टच और साइबर अपराधों के प्रति किया जागरूक

अल्मोड़ा(आरएनएस)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देश पर जिले में साइबर जागरूकता 2.0 अभियान के तहत पुलिस का जनजागरूकता अभियान जारी है। इसी क्रम में महिला कोतवाली पुलिस ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एनटीडी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध, गुड टच-बैड टच, यातायात नियमों, बाल अपराध और मानव तस्करी के प्रति जागरूक किया। सीओ अल्मोड़ा बलवंत सिंह रावत के पर्यवेक्षण और महिला कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जानकी भंडारी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में महिला कांस्टेबल रजनी जोशी और उषा ने बच्चों को अच्छे और बुरे स्पर्श के बीच अंतर समझाया। उन्होंने गलत व्यवहार के प्रति सतर्क रहने और ऐसी किसी भी घटना की जानकारी भरोसेमंद व्यक्ति को देने के लिए प्रेरित किया। पुलिस टीम ने छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव के तरीके भी बताए। उन्हें अनजान लिंक पर क्लिक न करने तथा किसी के साथ ओटीपी और बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने की हिदायत दी। इसके साथ ही यातायात नियमों का पालन करने, बाल अपराधों और मानव तस्करी के प्रति सतर्क रहने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बच्चों को आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112, साइबर हेल्पलाइन 1930 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी भी दी।

स्वच्छता अभियान में 13 हजार लोगों ने निभाई भागीदारी

हरिद्वार(आरएनएस)। कुंभ-2027 की तैयारियों के बीच गंगा और शहर को स्वच्छ रखने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान में अब तक 13 हजार से अधिक लोग भागीदारी कर चुके हैं। अभियान के पहले चरण में 100 मीट्रिक टन कूड़ा एकत्र किया गया। इसमें सहयोग देने वाली 32 संस्थाओं को जिला प्रशासन की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र ने संस्थाओं के प्रतिनिधियों का आभार जताते हुए भविष्य में भी अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशों पर मेला अधिकारी सोनिका और जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के नेतृत्व में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं, संत समाज, व्यापारिक एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों, शिक्षण संस्थानों, नमामि गंगे, नगर निगम, स्वजल, जिला पंचायत और स्थानीय लोग सहयोग कर रहे हैं। अभियान के दौरान एकत्र 100 मीट्रिक टन कूड़े को उचित निस्तारण के लिए नगर निगम को भेजा गया है।पहले चरण में आदर्श युवा समिति, सोनिया फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट, आईटीसी मिशन सुनहरा कल, शांतिकुंज, श्री गंगा सभा, सप्तऋषि आश्रम, श्री गुरु नानक देव जी घाट समिति, गंगा सेवा ट्रस्ट, रामराज ग्रामोद्योग सेवा संस्थान, बीड़ंग भागीरथ, रोटरी क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना, सेवा भारती, स्काउट्स एंड गाइड्स, एकम्प्स कंपनी, बाबा बंशी वाले अन्नपूर्णा आश्रम समिति, प्रेमनगर आश्रम, आस्था सेवा संस्थान, नागा कुटीर आश्रम, उत्तरांचल पंजाबी महासभा, निर्मल हरिद्वार परियोजना, नेचर फाउंडेशन, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज ज्वालापुर, बहुउदय लोक सेवा संस्थान, एनसीसी, वसुधैव कुटुम्बकम फाउंडेशन, समर्पण संस्था, शिव शक्ति वेलनेस फाउंडेशन, भारतीय योग संस्थान, नया उदासीन अखाड़ा और सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी परिवार जनकल्याण समिति सहित 32 संस्थाओं को सम्मानित किया गया।

इस दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रुड़की दीपक रामचंद्र सेठ, एडीएम प्रशासन जितेंद्र कुमार, एडीएम वित्त वैभव गुप्ता, सीएमओ डॉ. आरके सिंह, एसडीएम हरिद्वार योगेश मेहरा सहित जिला स्तरीय अधिकारी, संस्थाओं के प्रतिनिधि और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

विधायक ने किया सीसी मार्ग निर्माण कार्य का शिलान्यास

हमारे संवाददाता

देहरादून। सहसपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत भुड्डी के अंतर्गत चकमंशा में आज सहसपुर विधायक सहदेव सिंह पुण्डीर ने 1.25 लाख रूपये की लागत से निर्मित होने वाले सी.सी. मार्ग निर्माण कार्य का विधिवत पूजा-अर्चना कर शिलान्यास किया। उक्त मार्ग का निर्माण श्रीमती कुसुम के घर से चरण सिंह एवं रत्न गुरु के घर तक किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक सहदेव सिंह पुण्डीर ने कहा कि क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करना तथा स्थानीय निवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। गांवों में संपर्क मार्गों का निर्माण एवं सुधार ग्रामीण जीवन को सुगम बनाने के साथ-साथ क्षेत्र के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि इस सी.सी. मार्ग के निर्माण से स्थानीय निवासियों को आवागमन में बेहतर सुविधा मिलेगी। साथ ही, मार्ग के निर्माण से गांव की आधारभूत सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी। विधायक पुण्डीर ने कहा कि सहसपुर विधानसभा क्षेत्र का समग्र, संतुलित एवं सतत विकास सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है। क्षेत्र के प्रत्येक गांव एवं प्रत्येक बस्ती तक सड़क, पेयजल, बिजली सहित आवश्यक जनसुविधाओं का विस्तार करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता की आवश्यकताओं और स्थानीय निवासियों के सुझावों को प्राथमिकता देते हुए विकास कार्यों को धरातल पर उतारा जा रहा है, ताकि विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच सके। इस अवसर पर मंडल उपाध्यक्ष हिमांशु अतुल जखमोला, सतीश पुंडीर, राजेंद्र कार्की, श्रीमती कुसुम, ऋषिराम राणा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।



शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने रेलवे रोड के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 21 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम अमित जाटव पुत्र गोपाल जाटव निवासी नई जाटव बस्ती बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कार की चपेट में आकर ई-रिक्शा चालक घायल

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर ई-रिक्शा चालक घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवनगर कालोनी कॉवली रोड निवासी अशोक ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका बेटा आशु अपनी ई-रिक्शा से घर की तरफ आ रहा था। जब वह भण्डारी बाग के पास पहुंचा तभी एक कार ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी जिससे उसका बेटा आशु गम्भीर रूप से घायल हो गया। कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

गैंगस्टर एक्ट के वांछित को दून पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट में वांछित को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कार्यवाही की। मिली जानकारी के अनुसार आपराधिक घटनाओं में लिप्त आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु सम्पूर्ण राज्य में चलाये जा रहे ऑपरेशन प्रहार के अन्तर्गत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद के समस्त थाना प्रभारियो को अपने-अपने थाना क्षेत्र में आपराधिक घटनाओं में लिप्त आरोपियों को चिन्हित करते हुए उनके विरुद्ध गुंडा तथा गैंगस्टर एक्ट के तहत प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए है। उक्त निर्देशों के क्रम मे प्रभारी निरीक्षक डोईवाला द्वारा चोरी, नकबजनी तथा अन्य आपराधिक घटनाओं में लिप्त क्रान्तानाथ व उसके साथियों के विरुद्ध गैंगचार्ट तैयार करते हुए जिलाधिकारी देहरादून एवं उच्चाधिकारीगण से अनुमोदन प्राप्त करने के उपरान्त कोतवाली डोईवाला पर आरोपी/गैंगलीडर क्रान्तानाथ पुत्र मौसमनाथ निवासी सपेरा बस्ती घिस्सुपुरा थाना पथरी जनपद हरिद्वार व उसके 03 अन्य साथियों के विरूद्ध 2/3 गैंगस्टर एक्ट पंजीकृत किया गया था, अभियोग पंजीकृत होने के बाद से ही सभी आरोपी अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रहे थे, जिनकी गिरफ्तारी हेतु एसएसपी के निर्देशों पर कोतवाली डोईवाला पर पुलिस टीम गठित की गयी। गठित पुलिस टीम द्वारा प्रभावी कार्यवाही व सुरागरसी करते हुए स्थानीय तंत्र को सक्रिय किया गया, जिसके फलस्वरूप पुलिस टीम द्वारा गैंगलीडर क्रान्तानाथ उपरोक्त को कस्बा चौक डोईवाला से गिरफ्तार किया गया। अभियोग में नामजद अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है।

खेलों से विद्यार्थियों में अनुशासन, एकता और राष्ट्रभावना का होता है विकास : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने 37वें अखिल भारतीय खेलकूद समारोह के विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को गाजियाबाद में विद्या भारती द्वारा आयोजित 37वें अखिल भारतीय खेलकूद समारोह-2026 के समापन समारोह में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया तथा सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।



मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलकूद प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने के साथ ही उनमें अनुशासन, एकता, सहयोग और राष्ट्रभावना का विकास करती हैं। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों की सहभागिता इस आयोजन को विशेष बनाती है। हिमालय के सीमांत क्षेत्रों से लेकर कन्याकुमारी और पश्चिमी सीमावर्ती क्षेत्रों से लेकर पूर्वोत्तर तक के खिलाड़ियों का एक मंच पर एकत्र होना लघु भारत का दर्शन कराता है।

मुख्यमंत्री ने अपने विद्यार्थी जीवन के संस्मरण साझा करते हुए कहा कि विभिन्न भाषाओं, वेशभूषाओं और परिवेश से आए खिलाड़ियों को एक साथ देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। खेल का मैदान सभी को एक सूत्र में जोड़ता है। यहां खिलाड़ी केवल प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लेते, बल्कि एक-दूसरे की संस्कृति और परंपराओं को समझने का अवसर भी प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि खेलों में जीत और हार दोनों ही महत्वपूर्ण हैं। जीत आगे बढ़ने का उत्साह देती है, जबकि हार अपनी कमियों को दूर कर बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा देती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्या भारती शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। वर्ष 1952 में गोरखपुर में प्रथम सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना से प्रारंभ हुई यह यात्रा आज देश के विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंच चुकी है। संस्था का ध्येय वाक्य श्सा विद्या या विमुक्तयेश शिक्षा के व्यापक उद्देश्य को अभिव्यक्त करता है। उन्होंने कहा कि विद्या भारती द्वारा सीमांत, ग्रामीण, जनजातीय एवं वंचित क्षेत्रों में शिक्षा के प्रसार के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उत्तराखण्ड में भी संस्था के विद्यालय शिक्षा और संस्कारों के प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में शिक्षा के साथ शारीरिक विकास को भी विशेष महत्व दिया गया है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि श्शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्श, अर्थात स्वस्थ शरीर ही जीवन के कर्तव्यों और लक्ष्यों की पूर्ति का आधार है। खेलों से विद्यार्थियों में साहस, धैर्य, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सामूहिक सहयोग जैसे गुण विकसित होते हैं। उन्होंने कहा कि खेलकूद समारोह की अनुशासित दिनचर्या भी विद्यार्थियों को समय का सदुपयोग, आत्मनिर्भरता और सामूहिक जिम्मेदारी का महत्व सिखाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। श्खेलो इंडियाश और श्फिट इंडिया मूवमेंटश जैसी पहलों से युवाओं में खेलों और शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी है। सामान्य परिवारों की खेल प्रतिभाओं को भी अपनी क्षमताएं प्रदर्शित करने के बेहतर अवसर मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड सरकार भी प्रदेश में खेल सुविधाओं और संसाधनों के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर श्री महेश गुप्ता, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के महामंत्री श्री देशराज शर्मा, अखिल भारतीय सह-संगठन मंत्री श्री यतीन्द्र कुमार शर्मा, अखिल भारतीय संयोजक खेल विभाग श्री मुक्तेश बगेशा, डॉ. विजय पाल सहित संस्था के पदाधिकारी, शिक्षक एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सोंग नदी की सेहत का बायो इंडिकेटर प्रोजेक्ट से लगेगा पता, सारा के तहत शोध शुरू

संवाददाता

देहरादून। स्प्रिंग एंड रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी उत्तराखंड के तहत सोंग नदी क्षेत्र में 'बायो इंडिकेटर प्रोजेक्ट' की शुरुआत हो चुकी है।

पूर्वी दून घाटी की मुख्य जीवनरेखा कही जाने वाली सोंग नदी और उसकी पारिस्थितिकी (इकोलॉजी) को समझने और बचाने के लिए एक पहल की गई है। स्प्रिंग एंड रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी उत्तराखंड के तहत सोंग नदी क्षेत्र में 'बायो इंडिकेटर प्रोजेक्ट' की शुरुआत हो चुकी है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य जल की गुणवत्ता, नदी किनारे के आवास और इंसानी दबावों के प्रभाव का जैविक संकेतकों के जरिए त्वरित मूल्यांकन करना है।

भारतीय वन्यजीव संस्थान के पूर्व वरिष्ठ प्राध्यापक एवं वैज्ञानिक डॉ. वी. पी. उनियाल के मार्गदर्शन में यह अध्ययन पूरा किया जाएगा। नदी के पानी और



आसपास के पर्यावरण की स्थिति जांचने के लिए 5 प्रमुख जीव-समूहों का अध्ययन किया जाएगा।

जलीय मैक्रोइनवर्टेब्रेट्स : कीड़े व उनके लार्वा, जो जल प्रदूषण के प्रति बेहद संवेदनशील होते हैं। तितलियां और जंगली मधुमक्खियां: नदी तट की हरियाली और परागण की स्थिति का संकेत देती हैं। ड्रैगनफ्लाई और डेम्सलफ्लाई (ओडोनाटा): पानी की स्वच्छता और नदी किनारे की बनावट को दर्शाते हैं। पक्षियों की प्रजातियां: पूरी नदी घाटी के संपूर्ण स्वास्थ्य का खाका पेश करती हैं।

यह शोध सोंग नदी के उद्गम (कददूखल, टिहरी) से लेकर गंगा संगम (तेहरी फार्म, देहरादून) तक लगभग 80 किलोमीटर के दायरे में किया जाएगा। तीन प्रमुख क्षेत्र: अध्ययन के लिए नदी को ऊपरी, मध्य और निचले तीन हिस्सों में बांटा गया है।

36 सैंपलिंग पॉइंट्स: तीनों जोन में 12-12 स्थायी स्टेशन बनाकर सर्वे किया जाएगा। दो मौसमों में अध्ययन: फील्ड वर्क नवंबर से अप्रैल के बीच मानसून के बाद और मानसून से पहले के चरणों में पूरा होगा। इस 6-माही प्रोजेक्ट से सोंग नदी का एक व्यापक डेटाबेस तैयार होगा।

यह अध्ययन प्रस्तावित सोंग बांध, खनन और शहरीकरण से नदी पर पड़ने वाले असर का सटीक आकलन करने में मदद करेगा। साथ ही, इसके आधार पर नदी के संरक्षण के लिए ठोस नीतियां बनाई जा सकेंगी।

आंगन में मौत, जंगल में शिकारी 'बेखौफ'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में मानव और वन्यजीवों के बीच बढ़ता संघर्ष अब गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। इसके पीछे कई कारण हैं। गांवों से लगातार हो रहा पलायन, खेतों का बंजर होना, जंगलों और आबादी के बीच बदलती सीमाएं, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास में मानवीय गतिविधियों का विस्तार और भोजन की उपलब्धता में बदलाव जैसे कारक इस संघर्ष को प्रभावित करते हैं।

पहाड़ के अनेक गांवों में कभी गुलजार रहने वाले घर अब खाली पड़े हैं। खेत झाड़ियों में तब्दील हो रहे हैं। आबादी के आसपास वनस्पति का अनियंत्रित विस्तार हो रहा है। ऐसे क्षेत्रों में वन्यजीवों की आवाजाही और मनुष्यों से उनका सामना बढ़ने की आशंका रहती है। गुलदार जैसे वन्यजीवों की अनुकूलन क्षमता भी उन्हें आबादी के नजदीक रहने में सक्षम बनाती है। इसका परिणाम यह है कि इंसान और वन्यजीवों के बीच टकराव की घटनाएं बढ़ रही हैं। हालांकि इस समस्या का पूरा दोष केवल जंगलों या वन्यजीवों पर डालना भी उचित नहीं होगा। असली सवाल वन प्रबंधन, मानव बस्तियों की सुरक्षा और समय रहते जोखिम पहचानने की व्यवस्था का है। जब तक इन पहलुओं पर एक साथ काम नहीं होगा, तब तक घटनाओं के बाद की कार्रवाई से समस्या का समाधान संभव नहीं है।

उत्तराखंड में वन्यजीवों के हमले में किसी व्यक्ति की मौत होने पर मुआवजे का प्रावधान है। लेकिन क्या किसी परिवार के लिए आर्थिक सहायता उस बच्चे की भरपाई कर सकती है, जिसकी हंसी हमेशा के लिए खामोश हो गई? क्या मुआवजे से उस मां-बाप का दर्द कम हो सकता है,



◆पहाड़ के गांवों में बढ़ा मानव-वन्यजीव संघर्ष
◆आखिर कब तक गुलदार के हवाले रहेंगे गांव

जिन्होंने अपनी आंखों के सामने अपने बच्चे को खो दिया? सरकार को समझना होगा कि वन्यजीव हमलों में मुआवजा देना प्रशासनिक जिम्मेदारी हो सकती है, लेकिन नागरिकों की जान बचाना उससे कहीं बड़ी जिम्मेदारी है।

राज्य सरकार को इस समस्या के समाधान के लिए जिला और ब्लाक स्तर पर संवेदनशील गांवों की पहचान कर एक ठोस सुरक्षा योजना बनानी होगी। गुलदार प्रभावित क्षेत्रों में नियमित गश्त, निगरानी तंत्र, त्वरित प्रतिक्रिया दल, प्रशिक्षित वनकर्मियों की उपलब्धता और आपातकालीन सूचना व्यवस्था को मजबूत करना होगा। स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और आबादी वाले क्षेत्रों के आसपास विशेष सतर्कता बरतनी होगी। ग्रामीणों को भी वन्यजीवों की गतिविधियों और सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूक करना जरूरी है।

उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता है। यहां पर्यटन, तीर्थाटन और विकास की बड़ी-बड़ी योजनाओं की चर्चा होती है। सरकार पहाड़ को सुरक्षित और समृद्ध बनाने के दावे करती है। लेकिन जब पहाड़ का ग्रामीण अपने बच्चे को घर के बाहर सुरक्षित नहीं रख पा रहा, तब विकास के तमाम दावे अधूरे नजर आते हैं। सड़क, बिजली, पानी और पर्यटन के साथ सुरक्षा भी विकास का अनिवार्य हिस्सा है।

यह भी विडंबना है कि पलायन रोकने की बात करने वाली सरकार के सामने पहाड़ में रहने वाले लोगों की सुरक्षा का सवाल लगातार बड़ा होता जा रहा है। यदि गांवों में इंसान और वन्यजीव के बीच संघर्ष इसी तरह बढ़ता रहा तो ग्रामीणों के सामने गांव छोड़ने का एक और कारण खड़ा हो जाएगा। पहाड़ के लोगों को गुलदार के साथ जीने का तरीका सिखाने से पहले सरकार को उन्हें सुरक्षित जीवन देने की जिम्मेदारी निभानी होगी। आखिर कब तक किसी मासूम की मौत के बाद ही सिस्टम की नींद टूटेगी? पहाड़ को अब आश्वासन नहीं, सुरक्षा चाहिए।

आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण की मांग को लेकर किया मुख्यमंत्री आवास कूच, गिरफ्तार



संवाददाता

देहरादून। राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण की मांग को लेकर आदंलनकारियों ने मुख्यमंत्री आवास कूच किया जिनको पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

आज यहां उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के आह्वान पर चिन्हीकरण से वंचित आंदोलनकारी दिलाराम चौक पर एकत्र हुए और जुलूस के रूप में मुख्यमंत्री आवास की ओर रवाना हुए। प्रशासन की ओर से तैनात ड्यूटी मजिस्ट्रेट और कोतवाल पुलिस ने कैंट रोड पुल के पास जुलूस के बीच पहुँचे और उच्चाधिकारियों का संदेश दिया कि वीवीआईपी मूवमेंट के कारण पूरा अमला व्यस्त है, इसलिए परिषद के प्रतिनिधिमंडल को चिन्हीकरण के संबंध में वार्ता के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इसके बाद आंदोलनकारियों ने ज्ञापन देने पर सहमति व्यक्त की। कार्यक्रम के समापन के दौरान परिषद ने घोषणा की कि 9 नवंबर 2026 को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर कचहरी स्थित शहीद स्थल पर धरना देकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। आंदोलनकारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में कहा कि राज्य आंदोलन के दौरान तत्कालीन नारायण दत्त तिवारी सरकार में चिन्हीकरण प्रक्रिया शुरू हुई थी, लेकिन तकनीकी बाधाओं और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं के कारण बड़ी संख्या में वास्तविक आंदोलनकारी आज भी पहचान से वंचित हैं। कई आंदोलनकारियों के पास जेल प्रमाणपत्र या पुलिस रिकॉर्ड भी उपलब्ध नहीं है। उन्होंने मांग की है कि चिन्हीकरण की तिथि तत्काल बढ़ाई जाए और सभी लंबित आवेदनों का निस्तारण किया जाए। चिन्हीकरण प्रक्रिया का सरलीकरण किया जाए ख़ पुराने चिन्हित आंदोलनकारियों के सत्यापन तथा समकालीन अखबार की कतरनों को वैध प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाए। 2 अक्टूबर 2026 को मुजफ्फरनगर कांड के शहीद स्थल पर दिए गए आश्वासन का सम्मान करते हुए सभी छूटे हुए वास्तविक आंदोलनकारियों का चिन्हीकरण किया जाए। चिन्हीकरण से वंचित आंदोलनकारियों के परिवारों को समुचित सम्मान एवं सुरक्षा प्रदान की जाए। परिषद ने कहा कि राज्य की स्थापना हजारों अज्ञात आंदोलनकारियों के बलिदान और संघर्ष का परिणाम है। चिन्हीकरण में देरी उनके त्याग का अपमान है। कई वृद्ध आंदोलनकारियों का चिन्हीकरण की प्रतीक्षा में निधन हो चुका है, जो अत्यंत दुखद है। ज्ञापन पर संयुक्त परिषद के संरक्षक बालेश बबानिया, जिलाध्यक्ष सुरेश कुमार, महिला अध्यक्ष प्रमिला रावत, केंद्रीय प्रवक्ता चिंतन सकलानी, अनंत आकाश (सचिव, सीपीएम), लेखराज पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष डीएवी, राजेश शर्मा, जगमोहन रावत, विकास रावत,सत्या पोखरियाल,सुभागा फर्स्वाण, अमित परमार और नुरैशा अंसारी, कुसुम नौडियाल, दीप्ति रावत सहित अन्य पदाधिकारियों के हस्ताक्षर हैं। इस अवसर पर पुष्पलता वैश्य, राजदुलारी, कल्पेश्वरी नेगी, रेखा शर्मा, पारूल बिष्ट, मीरा गुसाईं, मुकेश मोधा, कमलेश, शाकुम्भरी रावत, बिन्दा मिश्रा, जानकी भट्ट, अल्का, सुरेशी नेगी, शबनम, राजेश्वरी, शशिजैन, मोहिनी, गौरा देवी, मधुलिका बिष्ट, सीता रावत, गीता नेगी, सुमन राम, शीला जखमोला, सत्येश्वरी बहुगुणा, पुष्पा बहुगुणा, कमला, विमला, देवेश्वरी, कमला आदि बडी संख्या में आन्दोलनकारी शामिल थे।

रिश्वतखोर अग्निशमन अधिकारी गिरफ्तार

◆होटल की फायर एनओसी के नाम पर मांगे थे 20 हजार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए विजिलेंस टीम ने कोटद्वार फायर स्टेशन के प्रभारी अग्निशमन अधिकारी भूपेश त्यागी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उन्होंने पौड़ी गढ़वाल के लैंसडाउन स्थित एक होटल की फायर एनओसी जारी करने के एवज में शिकायतकर्ता से 20 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी।



बताया जा रहा है कि बीते कुछ दिन पूर्व शिकायत मिलने के बाद सतर्कता विभाग ने मामले की गोपनीय जांच कराई। जांच में शिकायत प्रथम दृष्टया ट्रैप कार्रवाई के योग्य पाए जाने पर थाना सतर्कता सेक्टर देहरादून में मुकदमा दर्ज कराया गया। इसके बाद आज सुबह सतर्कता सेक्टर देहरादून की ट्रैप टीम ने योजनाबद्ध कार्रवाई करते हुए भूपेश त्यागी को शिकायतकर्ता से 6 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। विजिलेंस की इस कार्रवाई से अग्निशमन विभाग में हड़कंप मच गया है। बहरहाल विजिलेंसट टीम ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

चोरी के मोबाइल के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी के मोबाइल के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कृष्ण कुंज मायाकुण्ड निवासी स्वामी गोपालाचार्य ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि किसी ने उसका मोबाइल चोरी कर लिया है।

जांच के दौरान पुलिस ने चोरी के मोबाइल के साथ एक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम अर्जुन पुत्र रामकुमार निवासी भैरव मंदिर लक्ष्मण झूला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

सत्यापन अभियान के दौरान 78 भवन स्वामियों का 83 पुलिस एक्ट में चालान

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने सत्यापन अभियान चलाकर 78 भवन स्वामियों का 83 पुलिस एक्ट में चालान किया।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी अधीनस्थों को अपने-अपने क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों में लिप्त आरोपियों एंव क्षेत्र में निवास कर रहे संदिग्धों/बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन करने तथा नियमों का पालन न करने वालों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त निर्देशों के अनुपालन में अलग अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस द्वारा सत्यापन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अलग-अलग पुलिस टीमों द्वारा पटेलनगर क्षेत्रान्तर्गत देहराखास, बंजारावाला, चमनपुरी, ब्रह्मपुरी व नेहरु कॉलोनी क्षेत्रान्तर्गत नई बस्ती रेस कोर्स, ऑफिसर्स कॉलोनी, आदि क्षेत्रों में बाहरी व्यक्तियों/किरायेदारों व आपराधिक पृष्ठभूमि से जुड़े व्यक्तियों के सत्यापन हेतु अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा 1000 से अधिक किरायेदारों/बाहरी व्यक्तियों के साथ-साथ पूर्व के आपराधिक घटनाओं में लिप्त /प्रकाश में आये/जमानत पर चल रहे 07 आरोपियों का भौतिक सत्यापन किया गया, इस दौरान



आपराधिक पृष्ठभूमि से जुड़े आरोपियाों को किसी आपराधिक घटना में पुनः लिप्त मिलने पर सख्त वैधानिक कार्यवाही की चेतावनी दी गयी। बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन के दौरान किरायेदारों/घरेलू नौकरों का सत्यापन न कराने व अन्य अनियमितता मिलने पर पुलिस द्वारा 78 भवन स्वामियों के विरूद्ध पुलिस अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए उनका 07 लाख 80 हजार रूपये का जुर्माना किया गया तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले 27 व्यक्तियों के 81 पुलिस एक्ट में चालान कर 13500 का जुर्माना वसूल किया गया। अभियान के दौरान पुलिस द्वारा संदिग्ध रूप से घूम रहे 21 व्यक्तियों को थाने लाया गया, जिनसे आवश्यक पूछताछ कर उनके सत्यापन की कार्रवाई की गई।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।